भारत सरकार
योजना मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 231
दिनांक 27.11.2024 को उत्तर देने के लिए

अटल नवाचार मिशन के अंतर्गत सक्रिय अटल टिंकरिंग लैब

231. श्री बैजयंत पांडा:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के अंतर्गत देश भर में, विशेष रूप से ओडिशा में, स्थापित की गई सक्रिय अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) की संख्या कितनी है;

(ख) क्या स्कूली बच्चों पर एटीएल के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई आकलन किया गया है, जिसमें नवाचार और जिज्ञासा को बढ़ावा देने में इन प्रयोगशालाओं के लाभ और परिणाम सम्मिलित हैं;

(ग) सरकार द्वारा एआईएम के अंतर्गत, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में एटीएल की पहुंच को और बढ़ाने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) स्कूली छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मकता पैदा करने के लिए एटीएल को किस तरह से डिजाइन किया गया है, और इसे प्राप्त करने के लिए कौन-सी विशिष्ट गतिविधियां या दृष्टिकोण लागू किए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने देश भर में कुल 10,000 अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) स्थापित की हैं, जिनमें से 331 एटीएल ओडिशा में स्थापित की जा चुकी हैं।

(ख) जी हाँ, नीति आयोग के एआईएम ने स्कूली बच्चों पर एटीएल के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक स्वतंत्र तृतीय पक्ष प्रभाव मूल्यांकन किया है। मूल्यांकन रिपोर्ट एआईएम की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है और यहां देखी जा सकती है।- https://aim.gov.in/pdf/Assessment-Report-of-Atal-tinkering-Labs.pdf

(ग) एआईएम ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं कि एटीएल का लाभ देश के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों तक पहुंचे। एआईएम द्वारा स्थापित 10,000 एटीएल में से 5,692 (56.92%) एटीएल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं।

इसके अलावा, 10,000 एटीएल में से 1022 (10.22%) एटीएल आकांक्षी जिलों में स्थापित किए गए हैं, जबकि 375 (3.75%) एटीएल आकांक्षी ब्लॉकों में स्थापित किए गए हैं।

(घ) एटीएल एक समर्पित कार्यस्थल है जहाँ युवा अपने विचारों को 'स्वयं करें' मोड के माध्यम से आकार दे सकते हैं; और नवाचार कौशल सीख सकते हैं। युवा छात्रों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) की अवधारणाओं को समझने के लिए उपकरणों और साधनों के साथ काम करने का मौका मिलता है। एटीएल में 21वीं सदी की किट और उपकरण जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स, ओपन-सोर्स माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड, सेंसर और 3-डी प्रिंटर और कंप्यूटर भी शामिल हैं।

एआईएम नियमित रूप से स्कूली छात्रों में रचनात्मकता और जिज्ञासा पैदा करने के लिए प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, वेबिनार, व्याख्यान श्रृंखला आदि का आयोजन करता है। एआईएम ने 21वीं सदी के कौशल पर शिक्षण संसाधन विकसित किए हैं जो नवीनतम प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए सभी छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, एआईएम छात्रों को अपनी नवीन परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए आवश्यक मंच प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और चुनौतियों का भी आयोजन करता है।

*****